Nai Dunia (Indore), 31st July 2022, Page-02

आइआइटी में इलेक्ट्रिक वाहन चला रहे, प्लास्टिक पर भी रोक

गजेन्द्र विश्वकर्मा • इंदौर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर पर्यावरण के हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। परिसर में पेट्रोल और डीजल चलित वाहनों को मुख्य परिसर और होस्टल तक जाने पर रोक है। इसकी जगह इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग किया जा रहा है। संस्थान के पास इस समय करीब 11 इलेक्ट्रिक वाहन हैं और आने वाले समय में कुछ और वाहन आएंगे। संस्थान ने परिसर में प्लास्टिक के उपयोग पर भी रोक लगा दी है। खादी और कपड़े के बैग उपयोग किए जा रहे हैं। बाहर से आने वाली सामग्री पर भी निगाह रखी जा रही है कि कहीं प्लास्टिक या पालीथिन तो परिसर में नहीं आ रही। संस्थान के दोनों प्रवेश द्वार से परिसर में आने के लिए हर 30 मिनट में इलेक्ट्रिक वाहन चलाए जा रहे हैं। ज्यादातर उपकरण सौर ऊर्जा से संचालित किए जा रहे हैं। होस्टलों की मैस में बचे खाने को भी खाद के रूप में तैयार किया जा रहा है। आइआइटी के अधिकारियों का कहना है कि किसी भी शिक्षण परिसर के अंदर का माहौल महत्वपूर्ण होता है। परिसर को सुंदर बनाने की कोशिश की जा रही है। सभी निर्माण कार्य होने के बाद भी 30 प्रतिशत से ज्यादा क्षेत्र में हरियाली रहेगी।।

बिना पेड़ काटे हो रहा विकास कार्य : सिमरोल में संस्थान का 500 एकड़ परिसर जंगलों से घिरा हुआ है। यहां हजारों पेड़ लगे हुए हैं। संस्थान इनकी कटाई किए बिना कई विकास कार्य कर रहा है। करीब ही ग्रामीण क्षेत्र है। विकास कार्यों में ग्रामीणों पर असर न पड़े इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। पीआरओ सुनील कुमार का कहना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

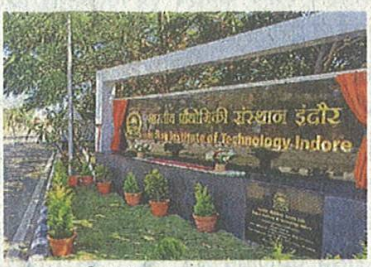

आइआइटी इंदौर। • फाइल फोटो

- पेट्रोल-डीजल चलित वाहनों को परिसर से दूर रखने की कवायद
- संस्थान में पालीथिन की जगह कपड़े के बैग का उपयोग किया जा रहा

इलेक्ट्रान मोबिलिटी ट्रांजिस्टर तैयार किया

पर्यावरण की बेहतरी के लिए आइआइटी पहले से काम कर रहा है। संस्थान ने शोध कर इलेक्ट्रान मोबिलिटी ट्रांजिस्टर तैयार किया है। इसका उपयोग इलेक्ट्रानिक उपकरणों में होता है। इससे कम ऊर्जा में सिग्नल को एक से दूसरे स्थान पहुंचाया जा सकता है। इसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों के कंवर्टर में भी किया जा सकता है।